

DPN 5622

Title : सोमवारी / SOMAVARĪ

Run. No. 6313

Cat. No.

Micro. No.

Subject ?

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 22.5 x 8.3

Folios ⁴
(5-8)

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

centimeter 5

10

15

20

[illegible]

15

मायदावा

सहस्रसादासकर्मकवासित ॥ ॥ साभावाय ॥ अतः सर्वे न कर्तव्याः सास्याति सदनं
 तव ॥ ॐ त्र्यं कृत्वा गृहमागत्य सुखाय प्रत्यवाच ॥ यः कश्चित् समनाशमिन्नानवामुय
 तस्य ॥ तस्मै वाव कृत्वा यस्मै यावदागम्यते मया ॥ कश्चिद्वचनात्तापिनदम्बव्यः क
 थः ॥ न ॥ ॐ त्र्यं कृत्वा सा सुखाय सुययोकाश्च प्रपिपि ॥ समं साकाशमाग्नेन पु
 ततावमहापूर्व ॥ प्राफाकाश्च प्रपिपि न्यानिमेषात्तु पुत्रावतः ॥ सामादृष्ट्वा धन ३
 वतागत्तु पुत्राश्च अकल्पय ॥ तदा पुत्रं शिवस्वामीमात्रादणतकृतं ॥ स्वसू
 त्रसदृशं वस्य वरिचाकावयत्तदा ॥ प्राफाकाश्च पुत्रावतः ॥ यदगर्भं ॥
 तदा सा वज्रकीर्मासावैवाहिकसकावयत् ॥ ॐ त्र्यं कृत्वा पुत्रं कृतं दत्तं सा मातु कन्याका

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

25

॥ ददौ तस्मै पुत्रावतां गुणिनं नृदणमालं ॥ तदा विवाहकर्म कुरुयमानं दूताणां
 न ॥ तदा सफपदी कुरुते नृदणमालं सुदा ॥ नृद्वीं च वास्वसे सैमिगाफे नि
 वाकला ॥ अकन्दः सुमदानासीत् कन्यातिवशां धर्मा ॥ तदा धनवता प्रादुभा मा
 दैन्यसमाकला ॥ मां किं क्रियतामेव वाक् ॥ अयं मृतः स्वयं ॥ ततः सा माद्विर्गु
 ण्यं द्विजमन्युं विनागर्भं ॥ सर्वकल्याणवया मासाद्विजनाजमनू रुमं ॥ द्विजगमा
 द्विजसुखवता जपुतावतः ॥ उन्मील्य नयं सुकन्यास्य फवत्सदसाकितः ॥ एव
 निर्विद्य विधिबद्धिवाहं मृदितागवत् ॥ संपूज्य मां विरुवतां नानावम्भानू

15

सामवाय

लेपने ॥ अतनाजं तत्सर्वं च कुलद्रुवा सिनः ॥ अमत्तावध नवती भासा
 सापत्ति तारुव तु ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 संपन्नोपपत्ति ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 त ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 तताया निवृत्ति काश्चिदपि यथि ॥ मूलगतवराकाका पादसाती व दूधरि

10

5

ता ॥ अतनाजं तत्सर्वं च कुलद्रुवा सिनः ॥ अमत्तावध नवती भासा
 ॥ ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 नियमं लभयामास ॥ किं कथामि वृत्तं वा सिनः मूलकीनस्य ॥ अमत्तावध नवती भासा
 प्रादुर्भावत नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 वा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 दूधरि ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 स्य ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा
 वं पथि ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा ॥ अमत्तावध नवती भासा

0

centimeter 5

10

15

20

25

15

10

5

0

सामवाच

centimeter 5

10

15

20

25

लोवाक्षरुवर्गर्त ॥ ॥ हा वसुडवाय ॥ तथप दक्षिर्नाजन कर्तगर्कनद
 स्या ॥ तथतज्जीवितासर्वेयतिजामास्युत्का ॥ सतर्तुसमोयर्कतद्रुद्व
 विज्जात ॥ अथायातामकारागमसामासुवर्नपुति ॥ जीवितंयंकारकोर्नपु
 र्जिजामानवर्ततथ ॥ अगुर्लसुखमासाद्यजगमकृतकृत्यता ॥ पुलिपत्यसुखा
 सदा ॥ यपुक्कसायिगन्विनी ॥ मृतानिष्टुर्तद्विपतिजामाटपुगका ॥ जीवि
 ताद्यपूनक्कस्माकायर्नद्वितद्वद ॥ ॥ सामावाच ॥ गुलवर्त्यमयादरुव
 तनाजस्यपुष्टक ॥ मृतास्तनविपाकनपतिजामाटपुगका ॥ मूलकश्चनम
 यास्पृष्टगुलकनमयापथि ॥ वर्तयविहितननपुष्टनवविनायुष ॥ कि

८